टी.आर.ओ. नागपुर

केस स्टडी-27/2025

जारी तिथि : 27.09.2025

SPAD

घटनाक्रम: दिनांक 25.09.2025 को पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल में गाड़ी संख्या 12204 DN, लोको संख्या 39352/WAG-7/LDH, सेक्शन: MFP-SPJ में कार्य करते समय कर्मीदल ने दुबहा स्टेशन (DUBH) को 6.03 मिनट पर पास मिला, खुदीराम बोस पूसा (KRBP) स्टेशन का डिस्टेंट सिग्नल दो पीला, होम सिग्नल एक पीला तथा मेन लाइन स्टार्टर सिग्नल (S-4) लाल था, जो राईट साइड स्थित था। कर्मीदल ने मेन लाइन स्टार्टर सिग्नल (S-4) को, जो लाल था, 49 Kmph की गति से समय: 6.08 बजे ऑन स्थिति में पार करके LC गेट (66 Spl) के आगे लगभग 33 मीटर बाद जाकर रुकी, LC गेट उस समय बंद था। (कुल कार्य- 3.10 घंटे)

संभावित कारण:

- कर्मीदल के कथनानुसार स्टेशन मास्टर द्वारा लाइन क्लियर दे रहा हूँ, का मेसेज वाकी – टाकी पर दिया गया था व लोको पायलट द्वारा सिग्नल के संकेत का पालन न कर, स्टेशन मास्टर की बातों का पालन करना।
- लोको पायलट द्वारा स्टेशन मास्टर की बातों में आकर गाडी की गति कम न करना।
- कर्मीदल का ये मानना कि स्टेशन मास्टर ने कहा है तो मेन लाइन स्टार्टर सिग्नल (S-4) ऑफ हो ही जाएगा, यह मानकर गाडी की गति को कम न करना।
- होम सिगनल एक पीला तथा मेन लाइन स्टार्टर सिग्नल (S-4) लाल दिखने पर भी ALP द्वारा समय पर RS वाल्व का न खोलना।

उपरोक्त घटना से सबक:

- ✓ कर्मीदल गाडी चलते समय सिर्फ और सिर्फ सिग्नलों के संकेतो का पालन करें, किसी के कहने पर की सिग्नल दे रहा हूँ, उन बातों पर विश्वास न करें।
- ✓ कर्मीदल को कभी भी वाकी-टाकी से लाइन क्लियर संबंधित कोई वार्तालाप स्टेशन मास्टर व अन्य से न करें जैसे कि सिग्नल दे रहे हैं क्या आदि ?
- ✓ कर्मीदल को हाथ के इशारों से ज़ोर से सिग्नल संकेतों को पुकारे व गाड़ी संचलन के समय अन्य किसी कार्य में व्यस्त न रहे बल्कि पूरा ध्यान सिग्नल के संकेत पर रखें।
- ✓ जब भी गाड़ी एक पीला सिग्नल से गुजरे, तो लोको पायलट को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए तथा अगले स्टॉप सिग्नल से पहले अपनी गाड़ी रोकने के लिए तैयार रहना चाहिए, कभी भी यह मानकर न चलें कि अगला सिग्नल ऑफ ही होगा या हो जाएगा।
- ✓ सिग्नल एक पीला दिखने पर ALP खड़े होकर RS वाल्व पर, लाल सिग्नल पर गाड़ी रुकने तक हाथ रखें व आवश्यकता पड़ने पर समय रहते RS वाल्व खोल दें।
- ✓ एक पीला सिग्नल दिखने पर अपनी गाड़ी की गति (40 Kmph मेल/एक्स. एवं 30 Kmph मालगाड़ी) कम कर लें।
- ✓ गाड़ी संचालन व कण्ट्रोल करने के दौरान अति आत्मविश्वास ही SPAD का कारण बनता है।

नोट: केस स्टडी केवल कर्मीदल को काउन्सलिंग देने के उद्देश्य से तैयार की गई है, इसे काउन्सलिंग के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होगा।

(गौरव कु. श्रीवास्तव)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

सभी मुख्य लोको निरीक्षक/मुख्य लोको नियंत्रक उपरोक्त निर्देशों को सभी लोको रनिंग कर्मचारियों को अवगत कराएं एवं कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।